अर्थशास्त्र-पाठ्यचर्या

318

औचित्य

प्रत्येक राष्ट्र अपने नागरिकों के रहन-सहन के स्तर को ऊँचे से ऊँचा उठाना चाहता है। इसके लिए उसे संसाधनों की आवश्यकता होती है। विश्व में किसी भी राष्ट्र के पास पर्याप्त मात्रा में संसाधन नहीं होते हैं। अतः प्रत्येक राष्ट्र अपने संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग करने का प्रयत्न करता है।

अर्थशास्त्र एक ऐसा विषय है जिसकी अवधारणाओं, नियमों और सिद्धान्तों की सहायता से संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग करने में सहायता मिलती है। इसका अध्ययन ऐसी आर्थिक व सामाजिक समस्याओं को समझने में भी सहायता करता है जिसका सामना विभिन्न व्यक्तियों को और पूरे राष्ट्र को करना पड़ता है।

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाओं और नियमों की जानकारी प्रदान करना है ताकि वे व्यक्तिगत स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर लिए जाने वाले आर्थिक निर्णयों की प्रक्रिया को समझ सकें। इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्यार्थियों को अपने देश की अर्थव्यवस्था में और पूरे विश्व में हो रही आर्थिक गतिविधियों को समझना सरल होगा। इसके अध्ययन से विद्यार्थी न केवल आर्थिक समस्याओं की प्रकृति और उनके उत्पन्न होने के कारण जान सकेंगे बल्कि यह भी समझ सकेंगे कि विभिन्न राष्ट्र किस प्रकार इन समस्याओं का समाधान करते हैं।

पाठ्यचय की विशेषताएं

(i) विश्व की सभी अर्थव्यवस्थाओं की केन्द्रीय आर्थिक समस्याओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई है।

(ii) आर्थिक समस्याओं का अध्ययन व विश्लेषण करने के लिए प्रारंभिक स्तर पर सांख्यिकीय आँकड़ों के प्रयोग के बारे में बताया गया है।

(iii) राष्ट्रीय आय किसी भी राष्ट्र की आर्थिक उपलब्धियों का महत्त्वपूर्ण सूचक होती है। राष्ट्रीय आय का अर्थ, इससे सम्बन्धित विभिन्न अवधारणाएँ और इसे मापने की विधियों के बारे में जानकारी दी गई है।

(iv) मांग, पूर्ति, लागत, आगम और लाभ आदि अवधारणाओं का अर्थ व महत्त्व तथा कीमत निर्धारण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया है।

(v) सरकारी बजट व मुद्रा पूर्ति और इनका अर्थव्यवस्था पर प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान की गई है।

(vi) भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, उद्योग, सामाजिक व आर्थिक बुनियादी ढांचा, विदेशी व्यापार आदि के बारे में बताया गया है। जनसंख्या की समस्या और हाल ही में शुरू किए गए आर्थिक सुधारों के बारे में भी बताया गया है।

उद्देश्य

इस पाठ्यचर्या को पूरा करने के बाद विद्यार्थी :

- अर्थव्यवस्था और उसकी विभिन्न प्रक्रियाओं को बता सकेंगे।
- अर्थव्यवस्था की मूलभूत आर्थिक समस्याओं को बता सकेंगे।
- आर्थिक समस्याओं को समझने में और उनका विश्लेषण करने में साँख्यिकीय आँकड़ों के महत्त्व को बता सकेंगे।
- राष्ट्रीय आय का अर्थ, महत्त्व व इसके मापने की विधियां बता सकेंगे।
- वस्तुओं और सेवाओं की माँग और पूर्ति को प्रभावित करने वाले कारकों को बता सकेंगे।
- कीमत निर्धारण में माँग और पूर्ति की भूमिका को बता सकेंगे।
- केन्द्रीय सरकार के बजट और अन्य आर्थिक नीतियों के विभिन्न पहलुओं को बता सकेंगे।
- भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में आर्थिक व सामाजिक बुनियादी ढांचे का अर्थ व महत्त्व बता सकेंगे।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में नियोजन की आवश्यकता और इसकी उपलब्धियों को बता सकेंगे।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में प्राथमिक, द्वितीयक व सेवा क्षेत्रों की स्थिति को बता सकेंगे।
- जनसंख्या की तीव्र वृद्धि का आर्थिक विकास पर पड़ने वाले प्रभाव को बता सकेंगे।

अंकों और अध्ययन समय का विभाजन

अनिवार्य मॉड्यूल

		अंक	अध्ययन समय (घंटे)
मॉड्यूल I	: अर्थव्यवस्था	10	20
मॉड्यूल II	: सांख्यिकीय आँकड़ें और विधियाँ	16	40
मॉड्यूल III	: राष्ट्रीय आय	15	35
मॉड्यूल IV	: व्यष्टिगत अर्थशास्त्र	15	40
मॉड्यूल V	: सरकार और भारतीय अर्थव्यवस्था	12	30
मॉड्यूल VI	: भारत में नियोजन	12	30

ऐच्छिक मॉड्यूल

(कोई एक समूह लीजिए)

समूह क

मॉड्यूल VII	: भारत के आर्थिक विकास में कृषि और उद्योग	10	25
मॉड्यूल VIII	: आर्थिक और सामाजिक आधारिक संरचना	10	20

अथवा

समूह ख

मॉड्यूल IX	: भारत का भुगतान संतुलन	10	25
मॉड्यूल X	: जनसंख्या	10	20
	कुल योग	**100**	**240**

अनिवार्य मॉड्यूल

मॉड्यूल I : अर्थव्यवस्था

उपागम : इस मॉड्यूल में विद्यार्थियों को सभी अर्थव्यवस्थाओं की सामान्य समस्याओं और विकसित व विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विभिन्न विशेषताओं से अवगत कराने का प्रयत्न किया गया है।

पूर्व ज्ञान : भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में सामान्य जानकारी।

विषय इकाई

इकाई 1 : अर्थव्यवस्था क्या है ?

1.1 : अर्थव्यवस्था और इसकी मूलभूत प्रक्रियाएं : उत्पादन, उपभोग, बचत और निवेश का अर्थ

1.2 : अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ; ये क्यों उत्पन्न होती हैं ?

इकाई 2 : आर्थिक विकास और भारतीय अर्थव्यवस्था

2.1 : आर्थिक विकास का अर्थ

2.2 : विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में अन्तर

2.3 : भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं

मॉड्यूल II : सांख्यिकीय आँकड़ें और विधियां

उपागम : साँख्यिकी एक बहुत उपयोगी विषय है। इसका उपयोग विज्ञान, व्यवसाय यहां तक कि सरकारी और दैनिक कार्यों में बहुत होता है। यह मॉड्यूल सांख्यिकी आँकड़ों, उनके प्रस्तुतीकरण और विश्लेषण के बारे में और आर्थिक समस्याओं को समझने में इनकी भूमिका के बारे में जानकारी प्रदान करेगा।

पूर्व ज्ञान : अंकगणित व रेखागणित के बारे में प्रारम्भिक ज्ञान

इकाई 1 : सांख्यिकीय आँकड़ें

1.1 : सांख्यिकी का अर्थ ; अर्थशास्त्र में सांख्यिकी की आवश्यकता और विषय क्षेत्र। सांख्यिकीय आँकड़ों और विधियों में अन्तर। सांख्यिकीय आँकड़ों के स्त्रोत।

1.2 : आँकड़ों को व्यवस्थित करना और वर्गीकरण करना आवृत्ति वितरण

1.3 : आँकड़ों का प्रस्तुतीकरण : सारणी और रेखाचित्र के रूप में प्रस्तुतीकरण–दण्ड, वृत्ताकार और काल श्रेणी

इकाई 2 : सांख्यिकीय विधियाँ

2.1 : अनुपात, दर और प्रतिशत

2.2 : केन्द्रीय प्रवृत्ति के मापः समांतर माध्य और भारित समांतर माध्य

इकाई 3 :सूचकांक

3.1 : सूचकांक का अर्थ व रचना

3.2 : सरल और भारित सूचकांक; सूचकांक बनाने में कठिनाइयाँ; सूचकांक का महत्त्व और अध्ययन

मॉड्यूल III : राष्ट्रीय आय

उपागम : राष्ट्रीय आय अर्थशास्त्र की एक महत्त्वपूर्ण अवधारणा है। यह अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों को परिमाणात्मक रूप में प्रस्तुत करता है। इसकी सहायता से विभिन्न देशों की आर्थिक स्थितियों की तुलना की जा सकती है। इसके लिए इस मॉड्यूल में दी गई अवधारणाओं का ज्ञान होना आवश्यक है।

पूर्व ज्ञान : मॉड्यूल II में दी गई गणना और सारणी बद्ध प्रस्तुतीकरण के बारे में जानकारी।

इकाई 1 : राष्ट्रीय आय प्रवाह

1.1 : आय के सृजन में भागीदार

1.2 : आय सृजन की प्रक्रिया में वास्तविक और मौद्रिक प्रवाह

1.3 : बंद और खुली अर्थव्यवस्थाओं में वास्तविक और मौद्रिक प्रवाह

इकाई 2 : राष्ट्रीय आय के विभिन्न पहलू

2.1 : निवल उत्पाद के योग के रूप में राष्ट्रीय आय

2.2 : साधन आय के योग के रूप में राष्ट्रीय आय; श्रम-आय; पूँजी आय; मिश्रित आय

2.3 : अन्तिम व्यय के योग के रूप में राष्ट्रीय आय, सकल राष्ट्रीय उत्पाद, सकल घरेलू उत्पाद, निवल घरेलू उत्पाद और निवल राष्ट्रीय उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय

2.4 : राष्ट्रीय आय के अनुमान के उपयोग

मॉड्यूल IV : व्यष्टिगत अर्थशास्त्र

उपागम : इस मॉड्यूल से विधार्थियों को यह समझने में सहायता मिलेगी कि क्रेता और विक्रेता व्यक्तिगत रूप में आर्थिक निर्णय कैसे लेते हैं।

पूर्व ज्ञान : ग्राफ और आरेखों को समझने का सामान्य ज्ञान

इकाई 1 : व्यष्टिगत अर्थशास्त्र क्या है?

1.1 : व्यष्टिगत अर्थशास्त्र उत्पादन और उपभोग, क्रय और विक्रय के बारे में व्यक्तिगत आर्थिक निर्णयों के अध्ययन के रूप में

1.2 : व्यष्टिगत अर्थशास्त्र के अध्ययन का महत्त्व

1.3 : व्यष्टिगत आर्थिक व्यवहार और सामान्य आर्थिक नियम

इकाई 2 : माँग कैसे प्रभावित होती है?

माँग का अर्थ; माँग को प्रभावित करने वाले कारक; माँग का नियम

इकाई 3 : पूर्ति कैसे प्रभावित होती है?

पूर्ति का अर्थ; पूर्ति को प्रभावित करने वाले कारक;पूर्ति का नियम

इकाई 4 : कीमत निर्धारण

4.1 : वस्तु की बाजार माँग और बाजार पूर्ति

4.2 : कीमत निर्धारण की प्रक्रिया; संतुलन कीमत का अर्थ; बाजार माँग और पूर्ति में परिवर्तनों का संतुलन कीमत पर प्रभाव

4.3 : माँग आधिक्य और पूर्ति आधिक्य का अर्थ और इसके प्रभाव

इकाई 5 : उत्पादन लागत

लागत का अर्थ : स्पष्ट और अन्तर्निहित लागतें; स्थिर और परिवर्ती लागतें; कुल लागत, औसत लागत और सीमान्त लागत

इकाई 6 : आगम

कुल आगम, औसत आगम और सीमान्त आगम का अर्थ

इकाई 7 : फर्म का उद्देश्य

कुल आगम और कुल लागत के रूप में अधिकतम लाभ; सीमान्त आगम और सीमान्त लागत की समानता के द्वारा अधिकतम लाभ; फर्म के अन्य उद्देश्य।

मॉड्यूल V : सरकार और भारतीय अर्थव्यवस्था

उपागम : इस मॉड्यूल में सरकार की मुद्रा पूर्ति और राजकोषीय या बजटीय नीतियों के आर्थिक क्रियाओं पर पड़ने वाले प्रभाव को समझाया गया है।

पूर्व ज्ञान : भारतीय सरकार की भूमिका के विषय में सामान्य ज्ञान

इकाई 1 : सरकार का बजट

1.1 : बजट का अर्थ और इसके घटक; प्राप्तियाँ और व्ययः राजस्व व पूंजीगत।

1.2 : सरकार की प्राप्तियों के स्रोत; व्यय को मदें।

1.3 : बजटीय और राजकोषीय घाटे का अर्थ; घाटे की वित्त-व्यवस्था के स्रोत और इसके प्रभाव।

1.4 : बजटीय नीति के उद्देश्य

इकाई 2 : मुद्रा पूर्ति : अर्थ और नियमन

2.1 : मुद्रा पूर्ति का अर्थ व इसके घटक

2.2 : मुद्रा पूर्ति में परिवर्तन के प्रभाव

2.3 : मुद्रा पूर्ति का नियमन; भारतीय रिज़र्व बैंक की भूमिका।

मॉड्यूल VI : भारत में नियोजन

उपागम : इस मॉड्यूल में भारत में नियोजन के संबंध में जानकारी प्रदान की गई है।

पूर्व ज्ञान : भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में मॉड्यूल I में दी गई जानकारी।

इकाई 1 : **भारतीय अर्थव्यवस्था में नियोजन के मुख्य उद्देश्य** : आर्थिक संवृद्धि, आय व धन की असमानताओं को कम करना, गरीबी हटाना, बेरोजगारी कम करना, आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण

इकाई 2 : भारत में नियोजन की उपलब्धियाँ (मुख्य उद्देश्यों के संदर्भ में)

इकाई 3 : आर्थिक सुधार और सरकार की भूमिका

ऐच्छिक मॉड्यूल

(कोई एक समूह लीजिए)

समूह क

मॉड्यूल VII : भारत के आर्थिक विकास में कृषि और उद्योग

उपागम : भारत का आर्थिक विकास कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों के विकास पर निर्भर करता है और इन दोनों क्षेत्रों का विकास एक-दूसरे पर निर्भर करता है। यह मॉड्यूल इन दोनों क्षेत्रों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा।

पूर्व ज्ञान : मॉड्यूल I में दी गई भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे जानकारी।

इकाई 1 : कृषि

कृषि का महत्त्व, समस्याएँ और उन्हें दूर करने के लिए किए गए उपाय

इकाई 2 : उद्योग

औद्योगीकरण की भूमिका और औद्योगिक नीति (1991)

इकाई 3 : कृषि और उद्योगों की पारस्परिक निर्भरता

मॉड्यूल VIII : आर्थिक व सामाजिक आधारिक संरचना

उपागम : इस मॉड्यूल में भारत के आर्थिक विकास में आर्थिक और सामाजिक आधारिक संरचना के महत्त्व को समझाया गया है।

पूर्व ज्ञान : मॉड्यूल I में दी गई भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में जानकारी।

इकाई 1 : आर्थिक संरचना

1.1 : परिवहन और संचार

1.2 : ऊर्जा

1.3 : वित्तीय संस्थाएं

इकाई 2 : सामाजिक आधारिक संरचना

2.1 : आवास

2.2 : स्वास्थ्य

2.3 : शिक्षा

अथवा

समूह ख

मॉड्यूल IX : भारत का भुगतान शेष

उपागम : इस मॉड्यूल में भारत की भुगतान शेष की समस्या पर प्रकाश डाला गया है। इसमें भारतीय अर्थव्यवस्था का और अधिक उदारीकरण करने तथा निर्यात को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर विचार किया गया है।

पूर्व ज्ञान : मॉड्यूल I में दी गई भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में जानकारी।

इकाई 1 : भारत का विदेशी व्यापार : दिशा और संघटन

इकाई 2 : विदेशी विनिमय दर

2.1 **यह कैसे** निर्धारित होती है और इसमें उतार-चढ़ाव **क्यों आते हैं?**

2.2 : विदेशी **विनिमय** दर में परिवर्तन के प्रभाव

इकाई 3 : व्यापार-शेष और भुगतान-शेष

इकाई 4 : पूँजी का अन्तः प्रवाह और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की आवश्यकता

इकाई 5 : नई व्यापार नीति और इससे आशय

मॉड्यूल X : जनसंख्या और आर्थिक विकास

उपागम : इस मॉड्यूल में जनसंख्या की समस्या के विभिन्न पहलुओं और राष्ट्रीय जनसंख्या नीति के बारे में बताया गया है। इसमें जनसंख्या वृद्धि दर और आर्थिक विकास के पारस्परिक संबंध पर भी जानकारी प्रदान की गई है।

पूर्व ज्ञान : भारत में जनसंख्या की समस्या के बारे में सामान्य जानकारी।

इकाई 1 : जनसंख्या और आर्थिक विकास

जनसंख्या और आर्थिक विकास में पारस्परिक संबंध

इकाई 2 : भारत की जनसंख्या : संरचना; समस्याएँ और उपाय